Civil Services (Main) Examination, 2024 वियोज्य DETACHABLE

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र II)

PHILOSOPHY (Paper II)

निर्धारित समय : तीन घण्टे *Time Allowed : Three Hours*	*अधिकतम अंक : 250* *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल **पांच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : 10×5=50

1. (a) प्लेटो की न्याय की अवधारणा का संक्षेप में विवेचन कीजिये ।
Briefly discuss Plato's concept of justice. 10

1. (b) सामाजिक अनुबन्ध सिद्धान्त के उद्भव एवं विकास का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए ।
Present a brief account of origin and development of Social Contract Theory. 10

1. (c) जातीय भेदभाव के मुख्य उत्तरदायी कारकों की विवेचना कीजिये ।
Discuss the main factors responsible for caste discrimination. 10

1. (d) मार्क्स द्वारा प्रदत्त परकीयकरण की अवधारणा की व्याख्या प्रस्तुत कीजिए ।
Present an exposition of the concept of alienation as propounded by Marx. 10

1. (e) समाजवाद तथा साम्यवाद की दो भिन्न राजनैतिक विचारधाराओं के रूप में तुलना कीजिए ।
Compare socialism and communism as two distinct political ideologies. 10

2. (a) मानववाद के प्रमुख सिद्धान्तों का निरूपण कीजिए । यूरोप में प्रबोधन का प्रादुर्भाव किस प्रकार मानववाद का मार्ग प्रशस्त करता है ? विवेचना कीजिए ।
Delineate the central tenets of Humanism. How does advent of enlightenment in Europe pave the way for Humanism ? Discuss. 20

2. (b) राजनैतिक आदर्शों के रूप में स्वतन्त्रता (लिबर्टि) एवं समानता की अवधारणाओं का समीक्षात्मक विवेचन कीजिये ।
Critically evaluate the concepts of liberty and equality as political ideals. 15

2. (c) प्रजातन्त्र के आधारभूत सिद्धांत के रूप में धर्म निरपेक्षवाद पर गाँधी के मतों का निरूपण कीजिए ।
Present an exposition of Gandhi's views on secularism as one of the foundational principles of democracy. 15

3. (a) क्या आप इस मत से सहमत हैं कि अरस्तु, प्लेटो की अपेक्षा 'राज्यवाद' और 'व्यक्तिवाद' के मध्य मध्यम मार्ग को प्रशस्त करने में अधिक सफल हैं ? युक्तियुक्त विवेचन कीजिये ।
Do you agree with the view that Aristotle was more successful than Plato in steering a middle course between 'Statism' and 'individualism' ? Discuss with arguments. 20

3. (b) किन आधारों पर आप मृत्युदण्ड के प्रत्यय को एक प्रभावशाली निवारक के रूप में स्वीकार या अस्वीकार करेंगे ? विवेचना कीजिये ।
On what grounds would you accept or reject the idea of capital punishment as an effective deterrent ? Discuss. 15

3. (c) सामाजिक प्रगति प्राप्त करने के लिए आर्थिक विकास क्या एक अनिवार्य आवश्यकता, पर्याप्त आवश्यकता, दोनों अथवा दोनों में से कोई नहीं है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए ।
Is economic development a necessary condition, sufficient condition, both or neither, in order to achieve social progress ? Give reasons and justifications for your answer. 10+5=15

4.(a) महिलाओं के सशक्तिकरण को उपलब्ध करने के लिए लैंगिक समानता की एक अनिवार्य शर्त के रूप में विवेचना कीजिए । स्त्री भ्रूणहत्या के खतरे की रोकथाम में महिला सशक्तिकरण की भूमिका का परीक्षण भी कीजिए ।

Discuss gender equality as a necessary condition to achieve empowerment of women. Also examine the role of women empowerment in curbing the menace of female foeticide. 10+10=20

4.(b) संप्रभुता की अवधारणा के सन्दर्भ में 'अर्थशास्त्र' क्या अन्तर्दृष्टि प्रदान करता है ? क्या आधुनिक समय में उसकी कोई प्रासंगिकता है ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

What insights does the Arthaśāstra offer with regard to the concept of sovereignty ? Does it have any relevance in the modern times ? Critically discuss. 15

4.(c) बहुसांस्कृतिक समाजों के उत्थान के लिए सहिष्णुता तथा सहअस्तित्व के नैतिक सिद्धान्तों की भूमिका की विवेचना कीजिए ।

Discuss the role of ethical principles of tolerance and coexistence for the rise of multicultural societies. 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : 10×5=50

5.(a) क्या नैतिकता के बिना धर्म सम्भव है ? विवेचना कीजिये ।

Can there be a religion without morality ? Discuss. 10

5.(b) धर्म के सन्दर्भ में निरपेक्ष सत्य की अवधारणा पर टिप्पणी लिखिये ।

Write a note on the notion of absolute truth in the context of religion. 10

5.(c) न्याय-वैशेषिक के अनुसार मोक्ष (अपवर्ग) की अवधारणा का विवेचन कीजिये ।

Discuss the concept of liberation (Apavarga) according to Nyāya-Vaiśeṣika. 10

5.(d) धर्म में तर्क की भूमिका का विवेचन कीजिये ।

Discuss the role of reason in religion. 10

5.(e) धार्मिक भाषा के सादृश्यमूलक स्वरूप की व्याख्या कीजिये ।

Explain the analogical nature of religious language 10

6.(a) क्या मोक्ष की सुगठित अवधारणा के लिए आत्मा की अमरता तथा पुनर्जन्म की अवधारणाओं को मानना आवश्यक है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए ।

Is it necessary to adhere to the notions of immortality of soul and rebirth in order to have a robust conception of liberation ? Give reasons and justifications for your answer. 20

6. (b) स्पिनोजा के दर्शन में ईश्वर की अवधारणा किस प्रकार उनकी द्रव्य तथा गुण की तत्त्वमीमांसा में अन्तर्बद्ध है ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

How does the notion of God in Spinoza's philosophy embedded in his metaphysics of substance and attributes ? Critically discuss. 15

6. (c) "अशुभ की समस्या, ईश्वर की किसी मत में किस प्रकार अवधारणा की जाती है, उसका सीधा परिणाम है।" आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

"The problem of evil is a direct offshoot of how God is conceptualised in a system." Critically discuss. 15

7. (a) बौद्ध-धर्म का प्रतिपादन एवं मूल्यांकन ईश्वर रहित धर्म के रूप में कीजिये।

State and evaluate Buddhism as a religion without God. 20

7. (b) इल्हाम के दावों के सम्बन्ध में किस प्रकार की ज्ञानमीमांसीय प्रामाणिकता सम्भव है ? अपनी टिप्पणीयों सहित विवेचना कीजिए।

What kind of epistemic justifications are possible with regard to claims to revelation ? Discuss with your own comments. 15

7. (c) ईश्वर की सत्ता के लिए सत्तामूलक युक्ति का आलोचना सहित निरूपण कीजिए।

Present an exposition of ontological proof for the existence of God along with its criticism. 10+5=15

8. (a) धार्मिक भाषा के संज्ञानात्मक एवं असंज्ञानात्मक विवरण के मध्य भेद को स्पष्ट कीजिये। क्या संज्ञानात्मक दृष्टि किसी व्याघात की ओर ले जाती है ? आर. बी. ब्रेथवेट के दार्शनिक मत के संदर्भ में उत्तर दीजिये।

Distinguish between cognitivist and non-cognitivist account of religious language. Does the cognitivist account lead to any contradiction ? Answer with reference to the philosophical views of R. B. Braithwaite. 10+10=20

8. (b) "जगत का सर्वोपरि कारण होने के लिए, ईश्वर की अनिवार्यतः किसी प्रकार की भौतिक अभिव्यंजना होनी चाहिए।" क्या आप इस मत से सहमत हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

"In order to be conceived as the ultimate cause of the world, God must necessarily have some form of physical manifestation." Do you agree with this view ? Give reasons and justifications for your answer. 15

8. (c) अद्वैतवेदान्त के अनुसार धार्मिक अनुभूति की मुख्य विशेषताओं का विवेचन कीजिये।

Discuss the main features of religious experience according to Advaita Vedanta. 15